نظا مِوصتـت


نا مكتاب .............
نا ث
ائِيثن. -....... ووم-2017
تقراواشاءت -.-.--> ووثزار (2000)



 الئثيثن اوّل پي خلفا








سيكرطُرى مجلس كاربردازربوه
فرست צناوّن


| صضْ̇بُ | كناوّن | ف، |
| :---: | :---: | :---: |
|  |  |  |
| 25 |  | 14 |
| 25 |  | 15 |
| 26 | بيّ | 16 |
| 29 |  | 17 |
| 30 |  | 18 |
| 30 | \|r\% | 19 |
| 31 | ¢ ${ }^{\text {¢ }}$ | 20 |
| 34 |  | 21 |
| 34 | (2) | 22 |
| 38 | - ${ }^{\text {¢ }}$ | 23 |
| 38 |  | 24 |
| 46 |  | 25 |
| 47 | (\%) | 26 |
| 48 |  <br>  | 27 |
| 53 |  | 28 |
| 57 | 成 | 29 |
| 58 |  <br>  | 30 |


| صؤكّ | كناويّ | 'كا |
| :---: | :---: | :---: |
| 63 | . | 31 |
| 63 |  | 32 |
| 65 | ,ويتكاصضز | 33 |
| 76 |  | 34 |
| 83 | . | 35 |
| 99 |  | 36 |
| 99 | , ويقكارونّ | 37 |
| 100 |  | 38 |
| 101 |  | 39 |
| 104 |  | 40 |
| 108 | 1اهبابج | 41 |
| 109 | ا'ريكّبنظ\| | 42 |
| 122 | (号, | 43 |
| 123 |  <br>  | 44 |
| 126 |  | 45 |
| 128 |  | 46 |
|  |  |  |
|  |  |  |


| صن大⿳⺈⿴囗十大 | كناوّن | ¢ |
| :---: | :---: | :---: |
|  | ارشاه｜ت حضرت |  |
| 133 |  | 47 |
| 133 |  | 48 |
| 133 |  | 49 |
| 134 |  | 50 |
| 134 | 3 | 51 |
| 135 | 5 | 52 |
| 135 |  | 53 |
| 136 |  | 54 |
| 139 |  | 55 |
| 139 |  | 56 |
| 140 |  | 57 |
| 141 |  | 58 |
| 142 |  | 59 |
| 142 | （نظّا | 60 |
| 142 |  | 61 |
| 144 |  | 62 |
| 145 | ， | 63 |
| 146 |  | 64 |


| صכْ̇بُ | كناوّن | فُمث* |
| :---: | :---: | :---: |
| 147 | ¢ ¢ ¢ | 65 |
| 149 |  | 66 |
| 155 |  <br> إِّر عانظا | 67 |
| 163 | ( نظا | 68 |
| 169 | رسالـالويتّ | 69 |
|  | ارشاهات حضرت خليفة المسيبح المرابتع |  |
| 175 | (نظا | 70 |
| 176 |  | 71 |
| 177 | 7 ¢ | 72 |
| 178 |  | 73 |
| 179 |  | 74 |
| 179 | 7 | 75 |
| 180 | اليك, | 76 |
| 180 |  | 77 |
| 181 |  | 78 |
| 181 |  | 79 |
| 181 |  | 80 |
| 199 | ضاكِ | 81 |


|  | كناويّ | فُبْثرا |
| :---: | :---: | :---: |
|  |  |  |
| 203 |  <br>  | 82 |
| 209 |  <br>  | 83 |
| 212 | ال** | 84 |
| 213 | - | 85 |
| 213 | \|جبخيال | 86 |
| 214 | ح户 <br>  | 87 |
| 214 |  | 88 |
| 215 |  | 89 |
| 215 | (重\| | 90 |
| 216 |  | 91 |
| 217 | (1) | 92 |
| 221 |  | 93 |
| 221 |  | 94 |
| 221 |  | 95 |
| 221 |  | 96 |


| صضّ | كناوّ* | فُمْثّا |
| :---: | :---: | :---: |
| 222 |  | 97 |
| 222 |  | 98 |
| 225 |  | 99 |
| 226 |  | 100 |
| 229 |  | 101 |
| 229 |  | 102 |
| 229 | موصيان | 103 |
| 230 | 10, | 104 |
| 230 |  <br> قُ | 105 |
| 231 |  | 106 |
| 231 |  | 107 |
| 232 | . | 108 |
| 232 |  | 109 |
| 233 | ضاكرح | 110 |
| 233 |  | 111 |
| 234 |  | 112 |
| 235 |  <br>  | 113 |



| صونْ | كناويّ | نْ |
| :---: | :---: | :---: |
| 237 | , | 114 |
| 238 |  <br>  | 115 |
| 239 |  <br>  | 116 |
| 241 | - | 117 |
| 241 |  | 118 |
| 243 |  | 119 |
| 243 |  | 120 |
| 245 |  | 121 |
| 245 | (1) | 122 |
| 246 |  <br>  | 123 |
| 246 |  | 124 |
| 247 |  | 125 |
| 247 | لتِّنز | 126 |
| 248 |  <br>  | 127 |






 اسكَجْو
 .












 بڭثتّ









;










 ور.





 عـ پِ

 ?


 راب











































 كر كَ










尾 ت共






بك


(6 (594,593)







(الوصّت (303,302)





 سبكا






















(الوصّت (329,328)



 "
 جأ
















 (617,616












之رإين كزنانْ






















 طالتورستن نوزبا







 ,















زو











نلج,





 ،ول 乏ُمَّ


 "
 (597:594

اسلامكَاهالتِزاراورنظا موصيّت كَ وروتاورغض
















 طا

 رڭ



 اشثوكاكابث

 براثت كريّ بي جانتا بول كم










 سلـلـ
 -
(651,650)





اسلاموور










 زنكط!







تُ
 آيّنياربّالطاكين








اورهونكا












 چا







 ( ( ) (



نظام وصيّت كَاغاض وبقاصراوراموال كمصارن



 , اغل ب٪




 . ک عوڤ


.






 ; ;







(674,673)

,





 كريّة


 (




 يّ بتاز










"جب




































屋





竍

 ال، هـاراسب










 اس اس مـ




 جاوت عـ
 ק .











(












广产




 كف تقا آنج



 ايكؤوت نا

 ك.

 كر, ٪ّ






 آ.









 صورتيّ كياجا

 نزورت علا




















پُ
 بتاؤ
 ｜ول：اوبانانو






ح芦

竍钽
 ضاتها






 "























 ب"ب چإروط



 نظا مكورنيإي جارىكياجا

 يورپي


گيا ب طانچ نك اب كير بيٌ كر




(نظّا مْ

 ن


 احانـبّ





 - ه•ه• 19




 نرورى







竍




 تـطام جائيداديل منتتقل بهو جائيـ گی: ت夫











 گويا



 طو
 وزي


(3)



 "
 ازيز كَ













 اكيُّ ثيّن
 ,




 קف:, با



 نْ












 آبا






 ،





(5) بسر فرهبشر كى ضرورت پیرى كرنغ والا نظام:



 آثنْ زو


 با با، جا









(نظا مْوْانوارالعلومجل16 صْد 597,596)
(6) بسميشه قائُ ربهذ والا اور وسدحت اختيـار كرنغ والا نظام :








 بارشاه
 ?



. , نيا ک



 جا












(7) بميثش كيلئ انسانيـت كى جزيّمضبوط كرنغ والا نظام :



 بين واهواه مزاتو نا



 (نظا)


پّا
 כا



 پّ



 اس اتحيّ

 قوهو








 پُ
 بع برا



 زض

 هرويتاب|






 بثق با (䇣









 .








 ابجبي!









 ب-





اَمْلِكَ
















كا هو يّ



 (共 البا



 زياركى طف:


, راصل يحماقتقك! عـح «







 رونو ع طا


 قَآ
 , وراص يرو



ؤتو



توتقبال山


كر كـ
بسشتى متبره ربوها كا متام :








 با





 جن طعاب





 ا اح


 الزامڭگا



 تويجا تناب



 برك

 ،
 كا














بيثّابكياوو


 نان號

 اورواه







 بيا سوالكض
(انوارالعلومجل23 صْ 118-122 (18)

?




 كر ك



 واشثات





隹







 6م6











(;











 .
 س باركاجاوت








 رنى بَ- كْ وا户


 آزان







 غُنِّ











放





















 "نُ





 (102-988 (ظبا









 ( 167,166 خطاتِيُمورجلر10 $)$


روّي


 ,









 , , ,
 كاولا واس سْقَ







 -







 وُامـاورجواسلامكا

( 168,167 خطباتِمُورجلر10 $)$
,ويّشكاصزونناورنروت







 جنت

( ; ;

























وهنت بي -














 بِّن
 رن لي لاثبيا قجروك فقا




乏







屋

انهو ج






























































وصّتشكاس عاكت
اورجن!





 ال ب-اور.

 ، ا س ت بُ








 ك.




 ن
 الڤ بعد از خدا بعشق محمدٌ مخمّرم
گر كفر ايى بود بخدا سخت كافرم

 ال ج委
 النا الصا زيارْحصاورلا













 ،وتوزيا ر /







 كيا


 انتزاضهو كوزا



 ?








 كاطّمنو

تُ


 كرنابَ























 ; رليحبنايك كجولو"


 والسام ك بيانزُ مور













زض
 " "








 ?















 الصّأة والسام كزنا









 "ز罗








 ك ع


 rer



 : تواسْقُ

 شَكمابڭ






بعد از خدا بعشق محمدٌ مخمرم
گر كفر ايى بود بخدا سخت كافرم






 كـ
 ع










 ا (ا

 آتا ك


ب范






乏





（；








 اوران





 . كر二










 تا تا الي









 ! !

rراركزف









 ،وانگز




 زون之
















مهرسن اور مـنافق ميل هابه الامهتياز :




 كِ كِ كَ


























 كيثشية



























كامل ايهان حاصن نسيلبهوا :
 ; كر二 كـ
 ثي لا هـ


 كراستْ







 واتِ وبا


 والو كَّى



 ا اشپ.




 كرع كا,











 چِّج













 زض


 ع كا





㥩










 ـحـ

 مهسن بهى وصيَّت كرنا بمـ:







كزوريا






 ק كر





























 زق نزر ريو





 كارل شِ



 ; ; ;










 ? ز
 الِ



 انْ
 ק









 cr











 سال وا كَيّ






 (الثنّل



 ب-

 ـ







 (رونا مالنّل 5:ون1948 بض: 5)


(ز











 الْيّل








 ,








 رويخز تَوربا




اء.











之ا










-


(; ;










 اور جها















 هورى الزام







 يّ كَ


 ،وكُّ بن لياجا
 , ايَ نَ













بثيثابكياتو

ح户

 ان س كاك كآپ نـ

 .











احبابج

 رارارانِ.جماوت: السّلام عليكم ورحمة اللّه وبر كاته


园













$$
\begin{aligned}
& \text {. }
\end{aligned}
$$

$$
\begin{aligned}
& \text { حק }
\end{aligned}
$$

## My Dear Brethren of America!

As you must all be aware the Promissed Messiah (on whom be peace) published his testamentary directions in the document which is known as Al-Wasiyyat two years before his death. This is a document of great importance and must be carefully studied by every Ahmadi. I trust all of you have carefully read its English translation. If the

English translation is not readily available to you I request brother Khalil Ahmad Nasir to translate AI-Wasiyyat into English with such assistance from his colleagues as he may need and to distribute it to all of you as soon as may be. I hope that each of you on studying this document will be inspired with the eager desire to participate in the grand scheme set out therein which is so vital for the advancement of Islam and humanity.

When you study this document you will find that the scheme set out in it requires each member of the Movement who wishes to join it to bequeath in favour of the Central Ahmadiyya Association one tenth of his property or an amount in cash corresponding to one tenth of the value of his property or if he owns no substantial property that he should contribute in his lifetime one tenth of his weekly or monthly income to the Central Ahmadiyya Association for the propagation of Islam and for the promotion of human welfare. It is necessary that the document bequeathing the property or setting out the promise in respect of these
contributions should make it clear that the bequest or contributions as the case may be are free from all conditions and limitations and that the donor or his heirs or executors will in no circumstances question the disposal or disbursement of the property or the income by the Central Ahmadiyya Association or by any other authority which may be set up for carrying out the purposes and objectives of the scheme.

Once you have studied the whole document carefully you will fully grasp its grand purpose and objective but I also request Brother Khalil Ahmad Nasir that he should arrange that the purpose and objective of AI-Wasiyyat should be explained to you by representatives of the Movement in detail at your respective centres. In compliance with the spirit of AI-Wasiyyat the Ahmadiyya Association of the United State of America will arrange for the purchase as early as may be of a suitable plot of land in some central locality which may be dedicated as place of burial for those who make their wills in compliance with the conditions set out in Al-Wasiyyat and the rules promulgated from time to time by the Head
of the Movement and the Central Ahmadiyya Association and Tahrik-i-Jadid. I am convinced that once this project is put into effect in the States, it will quickly gather force and thousands of your country men may even millions will in due course join this scheme and thus swell the numbers of those who shall continuously devote their efforts and substantial portions of their incomes and properties to the objects mentioned in AI-Wasiyyat.

As the number of such sincere and devoted Ahmadis increases it may become necessary to establish similar burial places in different parts of the country and this shall be done from time to time as necessity shall require.

The income derived from the property so bequeathed or from the sale thereof and from the contributions made in this behalf shall be disbursed as follows:-
(a) One half shall be remitted to the Central Ahmadiyya Association for the maintenance of Central institutions and for the propagation of Islam throughout the world including the United States of America where for a long time to come workers specially trained at the Centre will
continue to be needed. The two central institutions responsible for carrying on the work of propogation of Islam are the Central Ahmadiyya Association and the Tahrik-i-Jadid.

The funds to be devoted out of the said income remitted to the Centre for the propagation of Islam in various parts of the world will be divided between these two institutions in accordance with such instructions as may from time to time be laid down by the Head of the Movement.
(b) Of the remaining one half, three quarters will be devoted to the propagation of Islam in the States and one quarter shall be devoted to the promotion of the welfare of the poorer and more backward of our brethren wherever they may be, preference being given to making provision for their education and training.

As soon as 1 receive intimation through the representatives of the Movement among you that a substantial number of you are eager to join the scheme set out in Al-Wasiyyat I shall proceed to appoint a committee for the purpose of selecting a site for the first burial ground under the scheme and for carrying out of
the preliminary work necessary for putting the scheme into effect in the United States and for making provision for the scheme and its purposes being effectively carried out in perpetuity. Every person who makes a will or promises to make the minimum contribution under this scheme will, subject to the bequest being carried into effect or the contributions having been duly remitted, as the case may be, be entitled to be buried in one of the burial places dedicated for this purpose in the States or, in case he dies in India in the burial place at Qadian, or, in case he dies in Pakistan, in the burial place at Rabwah, if his body is transported to the site of one of these burial places at the cost of his estate and there are no legal or other impediments in the way of the fulfilment of this purpose. It shall, however, be made clear in the will or in the document setting out the promise in the respect of the said contibutions, that failure to comply with this condition shall not operate to invalidate or otherwise affect the bequest or give rise to any claim in respect of the contributions made. Provision shall further be made that the Central Ahmadiyya Association shall
take steps to have the names of all persons who have joined the scheme and no whose behalf its conditions have been fulfilled inscribed at suitable places in the burial places at Qadian or Rabwah and also that these names shall be inscribed as a record copies of which shall be made available in principal Ahmadiyya Centres so that future generations of Ahmadis may be prompted to pray for the souls of their departed brethren who had devoted themselves and their substance to the service of Islam and humanity.

It is essential and full care must be taken that the carrying into effect of the whole of this scheme shall be in accordance with the law of the United States of America so that no objection on that score should at any time operate to defeat or discount the purposes of this scheme.

As stated in AI-Wasiyyat this system will multiply its beneficence and shall prove the means of the uplift of all the weaker sections of humanity and for the spread of general prosperity and the promotion of human welfare. Any system which is based on coercion or compulsion
cannot achieve the same result. The scheme set out in Al-Wasiyyat being purely voluntary and a free gift for the service of Islam and humanity will carry with it moral and spiritual benefits which may be lacking in any other system.

In course of time country after country will proceed to adopt this scheme and through this process God's name will be glorified throughout the world more particularly on behalf of those who become the recipients of spiritual, moral and material benefits under its operation.

The scheme is already in operation in Pakistan and India. I hope and pray that the United States of America may prove to be the third country to adopt this scheme and thus lay to foundations for the promotion of the welfare of humanity on an every expanding scale. Amen. Brethren: We are weak but our God is strong and Almighty. We can do but little, but He can do everything. Be sure that His help is speeding towards you. Indeed, He Himself stands at your door waiting to enter. Spring up therefore and open wide your doors for Him to enter. When God enters your homes and fills your hearts, life
will become radiant for you and you will be glorified on earth as He is glorified in the Heavens. May God be with you. Amen.

























 ز












كر كـ
 طورٍ


 (ب) (





















 جن كمنقو \%





وتت بكَكوَّاوتزاض
 اور الآز






لوَوكطز


 ק

 بـيكنوهب





 ; يلباباتِّيس:
RABWAH"---10-1-1956






 -60 苑












ويّت وميّت نحوكّ


 كريّاوروهدק

:نالقَبَ
 ساحاسات كز





 ?












 ?
 ع, عوسالبدردزت
 القپ ك






 جنتؤنا




















 الحـ

 ك, كوآزاوانرا





 عـ بكن بوروهُ







 كراـ二 لـلو







 , ,




















:







"边
اب




 شَ ث㞔






 ?





 ,











 حیٍ













 كـذ
 (رلورطْبلمشاورت1973؛ صغ 213 )

جنت



 " ي



 6 ذ审

 - Parallel


, ويتكر,
*


 -

 يُ





 r"




 كز


































 كـبوا






 كا ،ونا
 ر













 ثض




اوريّلإمركمانول


























 جا
 " "




 انثاء الهر































 ; مـرواريوكونبا














 كـانكوريتن


يورپک




















三 三 三











 ب، كَ

 بِ جنو
 واه غنيّ كيونكا







 , ينا





















. ك




 ;







 وانبات؟-



 تُورُّ


 پّ






之



 هات \%






(



















 .




 Y Y





 "




 بَ










 - ير<






















 ج荿








موصى صاحبان ك كام :















 "















(
سورة


 .


 نرورتُو ركولاوربايات






نايُبصرد باليوه:















 كحصول ک











 غنفات ،وبَّ هو





 كوڤڤ6

 .



















 كون 6 كموثشل










 طٌُ

صدر و نائبب صدر مجلس هوصيان كى ذهـ هارى :









|نصار اللَّكَ كـى ذهـ هارى :








 ; آنك

وانصا رالشمكزيكاس!


خدام الاحهديه كى نمه هارق :
















 رُط







 جارى بط














 الشتقالم ند



 رنتّ






 ورتوتكوميت-






















 ج






























;
 .
 ?


،







 الپپ




 كدم


 كز رورU ع بو بجا

و0,







 كـ








 ——"









 ( نطبات

(زّ












, نيوكلا



 يُّ) آت نز

 زبروستقرت
 قرت قانيوط
 قيامتُّكمتر ب




















 , اضل،




نظاموصيت عثتقلتنياركاوراصولب!ا!






 صورتيّي جماو






 ربغ بابٌ


اكيـ,



 ,








 32ر,

 ثاتبتو استحال




عـ

 'قول كَ جا









 -



 تِ
 بايتج \%

 , لول عطالْ بجانتا





 رو چـ









- と

ايكينيّثقول|اصرار



 غيزهت: ل اصرار ب-









 رونتو








 كيونك







آَّنْ
 روحـي





اكياروثلّلي












لا



 ?
 اكر
















 هثمونكط










 (筑

 ح户 تماقنى













 بزك ك6م پُ





 وإنزورنتول







位


قها جُ ع,


 ،先

 ،



















：\％




女ِّ









 چ启













 ,
 غُني كياجا



 بينْزا工 ב









 ك كِ
















نز


 بيانز







 جا





 كوَّ ثَ

































 (M94: M)


 جا



 (2)







 آ آ..




بابن كرون


 ساى






 ٪


 كزق شيحّ




















 ,

 ; زبإنال -با

فام



 نفس كا اiنرونز


 بـاوراموال علا



 جو وورم


 ! بت ب-انكوتو


辰





乏





 1－1－نرورتّا كَ نغفت゙ 1－





 ٪ب ک








 قَ

 كِ

 آپكضنا






 كغن
(257-241 (ظطا





حضرـنزبايا:











 *



( 140,139 ( 1 ( 1 (


気
2ه


 الكا
 نرَ ك, ك,

之
 تبی

, ,



پ










ايكِجَّشٌّ نز
 كروـوهرروج

 تحارى








 (\%
توبج
 أُنىرفتقج
























 ثال شونا




















 ليـنا چابِيئ :
二人


 كريـ, رنياون لا




















زُ اي:"" ;"ب


















جِلِّ آزْ


 ~ ع \%






 ;

 rوع







صرن قائم ربيّ بلمكه برّمهي :






ايانظامجارى كيا با 之



 كو اون
















 تُرْ كـاس ذ:
















 ثش.














", ",











乏







 قَ



چֶال جا








































(21:21)

السّلام عليكم ورحمة الله وبر كاتهُ
















" "







:




























 آپٌ



آثٌ ذزباي!



پّ

 الق;

ربیكا پ:




 والسام
خا
رزذ









هربيّان هس هلاقات 3، اگیـت 2005 :
?





















 ?





 نز پ!

 جاوت






 كطزتوتجرلاربابول-




 ،و







 كرنحة





وتمَ















 حضور نز نما: (吾















 وميت غيرموص وور

 ب\% : كـ
 آثرپ

 ——
(خطبح?















 ب-








 "نَ

病



 تقراوبينزُ ون،


















 ب-ان



 , ,






موصان









 وَ


，㞔








为




 آپ








 ا




















 تقراوكيا ب؟





 88,500 كَ
















 باتج





 انصا رالشك
























(








 ;قَ


 ק












 كرتو

,














 بآטي












 وه كث



ع


پُ



 (专






جولو" م









 عكُ
 , اضليّ"،
(
آپّ نزْ


 " "



 "
 كريونا


,





 -













:


C Interest
 كَ


 ,

 Properties Loan Interest لِّن كِّ




"Born in debt, lives in debt,dies in debt"

 Mortgage
















نيثن









م的




 نز





 نُ
















 -6










 حضورانو نز

 ك عِ



: 2013

 ؤرّ (Force)
罗
 ر





 (年





 يكا

 هـ




 Easy Target ( 4 (رن (ر)









 نْ


 سيرُرُّان ال او

 - كم امراء


